भारत सरकार
पोत परिवहन मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 282 जिसका उत्तर
सोमवार, 24 जून, 2019/3 आषाढ़, 1941 (शक) को दिया जाना है

विशाखापत्तनम में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल

282. श्री वि. विजयसाई रेड्डीः

क्या **पोत परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट (वि.पी.टी.) ने देश में क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशाखापत्तनम में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का निर्माण करने का निर्णय लिया है;

(ख) क्या यह भी सच है कि केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र पुणे ने विशाखापत्तनम में तटरेखा और नौसंचालन संबंधी अध्ययन के पक्ष में रिपोर्ट प्रस्तुत की है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस परियोजना के माध्यम से अपेक्षित पर्यटन और रोजगार अवसर की संभावना क्या है?

उत्तर
पोत परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री मनसुख मांडविया)

(क) जी हां।

(ख) जी नहीं।

(ग) इस बारे में प्रश्न नहीं उठता।

(घ) भारत में क्रूज पर्यटन की क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए किए गए एक अध्ययन के एक हिस्से के रूप में यह बात सामने आई कि आरंभ में विशाखापत्तनम को "ओपन जॉ सेंलिंग (open jaw sailing)" के लिए एक घरेलू पत्तन के रूप में कार्य करने की अपार संभावनाएं होंगी। विशाखापत्तनम में विदेशों से आने वाले पर्यटकों की संख्या वर्ष 2014 में 0.54 लाख थी, जो वर्ष 2017 में बढ़कर 1.04 लाख हो गई है, जो कि सीएजीआर पर अनुमानत: 25% है। किसी क्रूज पोत पर औसत रोजगार की मात्रा प्रति 3-4 यात्रियों पर 1 (एक) रोजगार है। इससे घरेलू पत्तन के रूप में विशाखापत्तनम पत्तन आने वाले पोतों में भारी मात्रा में रोजगार सृजित हो सकता है, जिसका तात्पर्य है कि 3000 यात्रियों की क्षमता वाले किसी क्रूज जलयान पर प्रत्यक्ष 1000 रोजगारों का सृजन हो सकता है।

*****